संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -255 मंगलवार ,16 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें ?

कलम बंद...का सोलहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

मंत्री जी...जिस मीडिया के सामने आप अपनी बात रख रहे हैं...इन्हीं के द्वारा कमी बताने पर आप प्रतिबंध का काम करते हैं क्यों... ?

» बस्तर में मलेरिया से मचा त्राहिमाम्...2 छात्राओं की हुई मौत...

» स्वास्थ्य मंत्री ने कहा विपक्ष होना चाहिए सशक्त,लेकिन चौथे स्तंभ की आवाज दबाकर क्या बतलाना चाह रहे स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल...

» बीजापुर पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधा सुधारने का कर रहे दावा,खुद के जिले में वेंटिलेटर पर है स्वास्थ्य सुविधा...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,15 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। पद और सत्ता के घमंड में चूर प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल कुर्सी संभालने के बाद से स्वास्थ्य सुविधा सुधारने का सिर्फ दावा करते देखे जा रहे हैं। स्वास्थ्य केन्द्रों के निरीक्षण की बात हो या फिर किसी बैठक की, मंत्री द्वारा हर जगह सिर्फ व्यवस्था में सुधार की बात कही जाती है लेकिन 7 माह से अधिक का समय बीतने के बाद भी व्यवस्था में सुधार कहीं-नही हो सका है। राजधानी रायपुर से लेकर सरगुजा और बस्तर क्षेत्र में मरीज स्वास्थ्य केन्द्रों में परेशान हो रहे हैं,लापरवाही का आलम है कि बेबश होकर परिजन मरीज को निजी चिकित्सालय लेकर जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा आए दिन सुविधा सुधारने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है लेकिन स्थिति दिनों दिन बदत्तर होते जा रही है, सोमवार को ही मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने बस्तर संभाग के दूरस्थ बीजापुर का दौरा किया और एक बार फिर मीडिया के सामने हवा-हवाई दावा करते हुए कहा कि व्यवस्था में सुधार किया जाएगा लेकिन मंत्री जी...आपसे सवाल है कि आखिर कब...?

मंत्री जी...आप खुद के गृह जिले मनेंद्रगढ के चिकित्सालय से लेकर पड़ोसी जिले कोरिया की स्वास्थ्य सुविधा तो सुधार नहीं सके हैं राजधानी तक में स्थिति दयनीय है फिर आप यह हवा-हवाई दावा कब तक करते फिरेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने जब बीजापुर चिकित्सालय का दौरा किया तब उनके सामने कई कमियां नजर आई,और कमियां एक नहीं बल्कि प्रदेश के सारे अस्पतालों में व्याप्त हैं,एक बार मरीज यदि शासकीय चिकित्सालय चला जाए तो अन्य किसी दूसरे को शायद ही शासकीय चिकित्सालय में ईलाज कराने की सलाह देगा और इन्हीं कमियों को लगातार घटती-घटना अखबार द्वारा उठाया जा रहा था लेकिन मंत्री जी को यह समाचार पसंद नहीं आई तो उन्होने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को ही दबाने की कोशिश की है,उन्होंने कमियों की खबर प्रकाशन ना हो,इसके लिए स्वास्थ्य विभाग से संबंधित विज्ञापन घटती-घटना अखबार को देने से मनाही करा दी है,साथ ही अपने तथाकथित भतीजे प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल से अखबार एवं उनसे जुड़े प्रतिनिधियों, संपादक के खिलाफ भी शिकायत कराकर दबाव बनाने की कोशिश की है लेकिन मंत्री जी लोकतंत्र में यह संभव नहीं है शायद आप इससे अंजान और सलाहकारों के कारण दिग्भ्रमित हैं।

गृह जिले में हाल-बेहाल और बीजापुर में व्यवस्था सुधारने का दावा

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बनने के 7 महीने बीतने के बाद भी श्री जायसवाल ने प्रदेश भर का दौरा नहीं किया जिससे कि स्वास्थ्य सुविधा बेपटरी हो चुकी है,दलालो और अधिकारियों के चंगुल से मंत्री और उनका विभाग बुरी तरह घिरा हुआ है। दागी स्टॉफ मंत्री बंगले की गतिविधि पर सवालिया निशान पैदा कर रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री द्वारा सिर्फ सुविधा में सुधार का दावा किया जाता है लेकिन हकीकत कोसो दूर है। मंत्री के गृह जिले एमसीबी और पड़ोसी जिला कोरिया में स्वास्थ्य सुविधा इतनी बिगड़ी हुई है कि मरीज मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं। कमियां अपार है लेकिन उन पर जानबूझकर ध्यान नही दिया जा रहा है। घर की स्वास्थ्य सुविधा ना सुधार पाने वाले स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा बीजापुर जाकर सुधार की बात खुद को मुंह चिढ़ा रही है।

बस्तर में मलेरिया से मचा हाहाकार,नहीं पहुंची दवाई तो शुरू नहीं हुआ मलेरिया मुक्त अभियान

ज्ञात हो कि इन दिनों बस्तर संभाग में मलेरिया ने तेजी से अपना पांव पसार लिया है। संभाग अंतर्गत आने वाले जिलों में मच्छरों का प्रकोप इतना बढ चुका है कि संक्रामक रोगों को लेकर लोग चिंतित हैं। दुरस्थ बीजापुर जिले में मलेरिया से छात्राओं की मौत ने स्वास्थ्य विभाग पर सवालिया निशान लगा दिया है। बस्तर क्षेत्र के जिलों में प्रतिदिन पाजीटिव केस की संख्या में इजाफा हो रहा है। बतलाया जाता है कि बीजापुर जिले के भोपालपट्टनम ब्लॉक के संगमपल्ली पोटाकेबिन की छात्रा वैदिका जव्वा की मलेरिया से मौत हो गई,तमाम दावों के बीच 30 घंटे में यह दूसरी मौत है। इससे पहले तारालागुड़ा के पोटाकेबिन में मलेरिया से दूसरी कक्षा की छात्रा ने दम तोड़ दिया था। बतलाया जाता है कि बीजापुर ब्लॉक के आश्रमों में 187 बच्चे मलेरिया पॉजिटिव हो चुके हैं यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बस्तर जैसे वनांचल और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में मलेरिया ने जिस प्रकार से पांव पसार रखा है उससे स्वास्थ्य सुविधा की पोल गई है वहीं बतलाया यह भी जा रहा है कि बस्तर क्षेत्र में मलेरिया मुक्त अभियान का 10 वां चरण शुरू होना था लेकिन दवाई ना पहुंचने के कारण यह अभियान शुरू नहीं हो सका है,दवा क्यों नही पहुंची, यह भी जांच का विषय है। लेकिन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के राज में ऐसा कुछ होगा इसकी उम्मीद नहीं है।

प्रदेश के कई जिले में डायरिया का प्रकोप

प्रदेश में घूम-घूम कर स्वास्थ्य सुविधा सुधारने का दावा करने वाले प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के राज में कहीं स्थिति सुधरी हो ऐसा नहीं लगता बल्कि स्थिति दिन-प्रतिदिन और बदत्तर होती जा रही है । प्रदेश के कवर्धा जिले में भी डायरिया से मौत की खबर सामने आई है वहीं बिलासपुर जिले के रतनपुर क्षेत्र में भी कई परिवार इससे पीड़ित हैं। लगभग जिलों में डायरिया पीड़ितों की संख्या में बढोत्तरी हुई है लेकिन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री इन सबसे दूर मीडिया पर प्रतिबंध की कोशिश में लगे हुए हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लगाया लापरवाही का आरोप

प्रदेश के बस्तर और कवर्धा में मलेरिया एवं डायरिया से मौत के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने भी प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए उसे सरकार की कमी बतलाया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि मलेरिया और डायरिया जैसी बीमारियों से आदिवासियों की मौत हो रही है यह भाजपा सरकार की लापरवाही है। उन्होने जांच और उपचार के लिए तत्काल शिविर लगाने,वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढाने,हॉट बाजार क्लिनिक शुरू करने की मांग की है।

स्वास्थ्य मंत्रालय किसी और को दीजिए मुख्यमंत्री जी,इनसे नहीं संभल रहा विभाग

लचर और दयनीय स्थिति में पहुंच चुकी प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधा के लिए सीधा और विभागीय मंत्री को ही जिम्मेदार माना जाता है। बतलाया जाता है मंत्री की कार्यप्रणाली विभागीय उच्चाधिकारियों को भी रास नहीं आ रही है। दलाल,सप्लायर मिलकर विभाग का ठेका ले चुके हैं। मंत्री बंगले में बैठे स्टॉफ अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। आरोपो से घिरे मंत्री के स्टॉफ गलत सलाह देने में भी माहिर बतलाये जाते हैं। वैसे भी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी संजय मरकाम और विशेष सहायक आशुतोष पांडेय जैसे अधिकारी जिस मंत्री के साथ चल रहे हों वहां ज्यादा उम्मीद करना भी बेमानी था इसलिए आज यह विभाग लोगों को सुविधा उपलब्ध नही करा पा रहा है। खैर मंत्री जी को इन सभी बातो से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हे सिर्फ वाहवाही की खबरे पसंद हैं लेकिन कमियां पसंद नहीं हैं। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को दबाकर मंत्री जी खुद को सुपर तो साबित करना चाह रहे हैं लेकिन आम जन की नजरों में प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग सरकार की किरकिरी के लिए पर्याप्त है। प्रदेश के मुखिया को अब जरूर संज्ञान लेते हुए समीक्षा किया जाना चाहिए कि जन सरोकार से जुड़े विभाग की जिम्मेदारी एक समझदार और सुलझे मंत्री को देना चाहिए ना कि दलाल और सप्लायरों से लेकर विवादित स्टॉफ से घिरे मंत्री को,क्योंकि विभाग का हाल बेहाल है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा,विपक्ष सशक्त होना चाहिए तो फिर मीडिया पर प्रतिबंध क्यों मंत्री जी ?

सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल राजधानी रायपुर में पत्रकारों से चर्चा कर फिर एक बार स्वास्थ्य सुविधा मे सुधार का दावा करते दिखे,उन्होने विपक्ष के आरोप भी जवाब दिया और यहां तक कहा कि विपक्ष का काम है मुद्दे को उठाना,हम चाहते हैं कि सशक्त विपक्ष की तरह कांग्रेस मुद्दो को उठाए। मंत्री ने पूरी ताकत के साथ प्रयास करने की बात कही और कांग्रेस पर ही उल्टा आरोप भी लगाया। यह सोचनीय विषय है कि एक तरफ स्वास्थ्य मंत्री मीडिया के सामने सशक्त विपक्ष की उम्मीद करते हैं और दूसरी तरफ लोकतंत्र के चैथे स्तंभ की आवाज को दबाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जी...

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

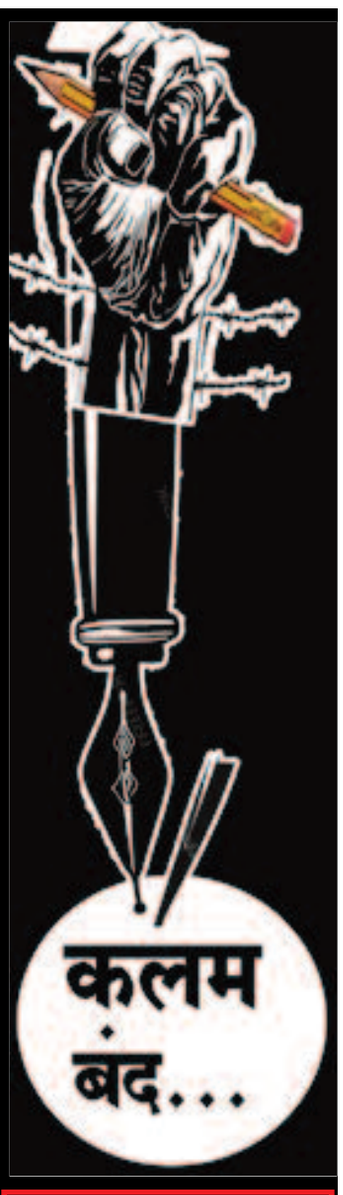

कलम बंद...का सोलहवां दिन

?

कलम बंद...का सोलहवां दिन

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,15 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

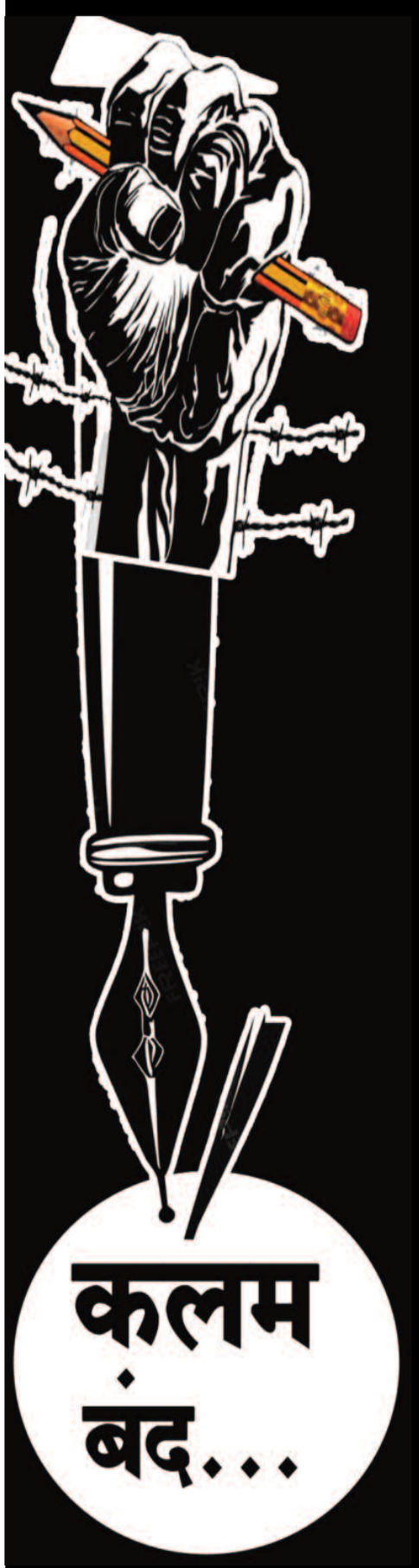

कलम बंद...का सोलहवां दिन

कलम बंद...का सोलहवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,15 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,15 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

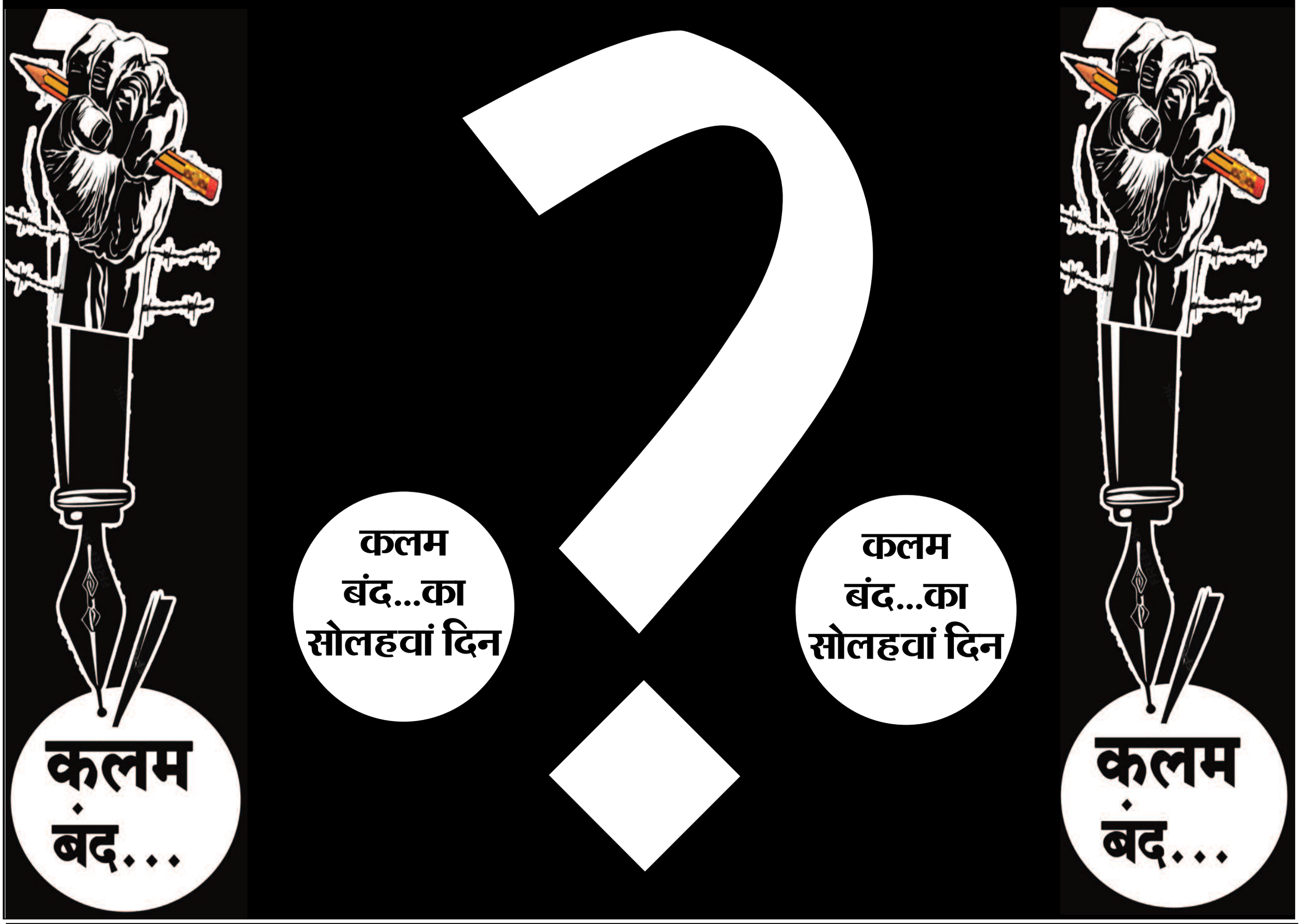

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,15 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी?

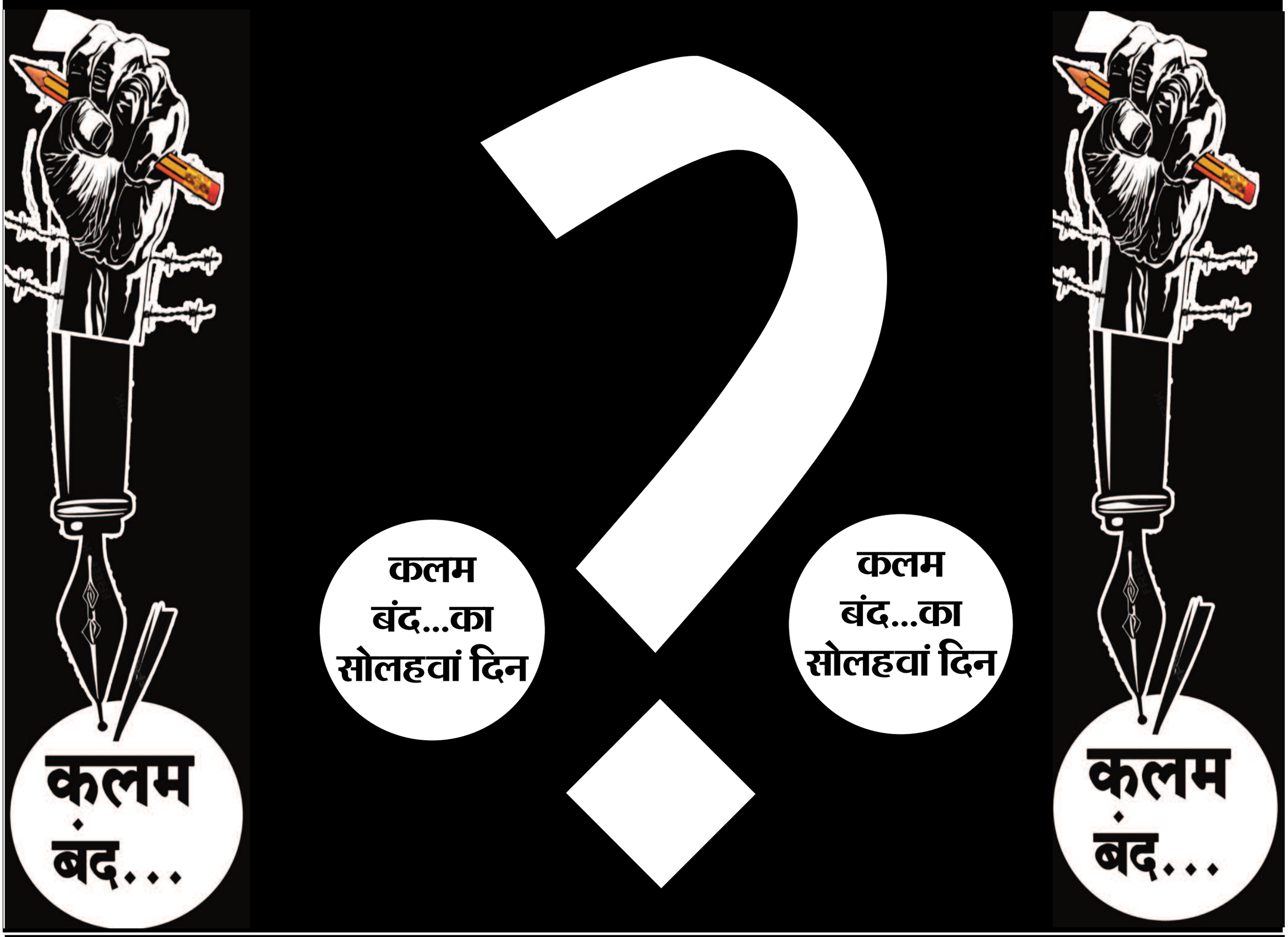

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

CMYK

टीम इंडिया कर रही अगले सीरीज की तैयारी

» जल्द हो सकता है टीम इंडिया का ऐलान...

» अब हार्दिक पांड्या,सूर्य कुमार यादव,अर्शदीप सिंह,ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज की वापसी संभव...

नई दिल्ली,15 जुलाई 2024। टीम इंडिया का जिम्बाब्वे दौरा अब खत्म हो गया है। भारतीय टीम ने पहला मैच हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार 4 मैच जीते और सीरीज भी अपने नाम कर ली। इस सीरीज के लिए जो नए खिलाड़ी टीम में शामिल किए गए थे, उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और लग रहा है कि वे आगे भी टीम के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। इस बीच भारतीय टीम की अगली सीरीज की तैयारी अब होने जा रही है। भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज इस महीने के आखिर में होगी, इसके लिए टीम का ऐलान किया जाना है, माना जा रहा है कि इसी सप्ताह टीम घोषित कर दी जाएगी।

श्रीलंका दौरे पर खेली जाएगी टी 20 और वनडे सीरीज

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका के दौरे पर जाने वाली है। इसमें पहले तीन टी 20 इंटरनेशनल मैचों का आयोजन किया जाएगा, इसके बाद तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। टी20 सीरीज का पहला मैच 27 जुलाई को होगा। वहीं वनडे सीरीज का आगाज दो अगस्त से होगा। सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान अभी तक नहीं किया गया है, जो जल्द होने की संभावना है। इस बीच रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने तो टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट ले लिया है, ऐसे में उनके नाम पर तो विचार नहीं किया जाएगा। जिम्बाब्वे दौरे पर तीन सलामी बल्लेबाज

टीम में शामिल किए गए थे। उसमें शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड और यशस्वी जायसवाल थे। श्रीलंका सीरीज में भी ये खिलाड़ी टीम में रहेंगे, लेकिन चारों एक साथ प्लेइंग इलेवन में खेल पाएंगे, इसको लेकर जरूर शक है।

हार्दिक पांड्या की हो सकती है बतौर कप्तान वापसी

शुभमन गिल ने जिम्बाब्वे सीरीज में कप्तानी की थी, लेकिन अगर हार्दिक पांड्या वापसी के लिए तैयार हैं तो फिर वही टीम की कमान संभालते हुए नजर आएंगे। उनके अलावा सूर्यकुमार यादव, अर्शदीप सिंह, ऋषभ पंत, मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों की भी वापसी हो सकती है। हालांकि ये देखना दिलचस्प होगा कि अगर इन खिलाड़ियों की वापसी होती है तो फिर वो कौन से खिलाड़ी होंगे, जिन्हें बाहर बैठना पड़ सकता है। अभी तक के हिसाब से देखा जाए तो अगर इन सभी को मौका मिलता है तो फिर रियान पराग, खलील अहमद, आवेश खान जैसे खिलाड़ी बाहर हो सकते हैं। हालांकि बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी इस पूरे मामले को लेकर क्या फैसला करती है, ये देखना दिलचस्प होगा।

इसी सप्ताह टीम के ऐलान की संभावना

बीसीसीआई सेलेक्शन कमेटी के लिए भी श्रीलंका सीरीज के लिए टीम का चुनना आसान नहीं होगा। क्योंकि विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी अगर खेलना चाहेंगे तो वे टीम में वापस आ ही जाएंगे। वहीं जिम्बाब्वे सीरीज में जिन नए खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है, उन्हें एक ही सीरीज और अच्छा खेल दिखाने के बाद भी बाहर करना भी आसान काम नहीं होगा। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह किसी भी दिन सेलेक्टर्स एक मीटिंग कर नई सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर देंगे। इस वक्त खिलाड़ी और भारतीय टीम के फैंस इसको लेकर इंतजार कर रहे हैं।

अर्जेंटीना ने अपने नाम किया कोपा अमेरिका का खिताब

» ये ट्राफी लियोनेल मेसी की चौथी इंटरनेशनल ट्रॉफी

अर्जेंटीना,15 जुलाई 2024। अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार कोपा अमेरिका का खिताब जीत लिया है। कोलंबिया के खिताब खिताबी मुकाबले में निर्धारित समय तक 0-0 की बराबरी पर था। लेकिन पहले एक्स्ट्रा हाफ में भी दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। 112 वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए लौटारो मार्टिनेज ने गोल कर दिया। अंत यह तक बढ़त कायम रही और मेसी की टीम 1-0 से जीतकर चैंपियन बनी। अर्जेंटीना ने 16 वीं बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया है। 2021 में टीम ने ब्राजील को खिताब मुकाबले में मात दी थी। वहीं कोपा अमेरिका के फाइनल को लियोनेल मेसी पूरा नहीं खेल पाए। मैच के दूसरे हाफ में मेसी को पैर में चोट लगी जिसके बाद उन्हें 66 वें मिनट में बाहर बैठना पड़ा। उनके दाहिने एंकल पर आइस पैक लगा हुआ था। हालांकि, इस दौरान टीम को उनकी कमी नहीं खली। जोवानी लो सेल्सो के असिस्ट पर मार्टिनेज ने गोल किया।

एक नहीं पांच-पांच ओपनर्स

» क्या अपनी जगह बचा पाएंगे शुभमन गिल

हरारे,15 जुलाई 2024। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज में मिली जीत के बाद भारतीय टी-20 टीम में सलामी बल्लेबाज की भूमिका के लिए कड़ी टक्कर हो गई है। ओपनिंग के दावेदारों में शामिल शुभमन गिल ने इसे टीम के लिए अच्छा बताया। श्रीलंका के खिलाफ इस महीने के आखिर में तीन टी-20 मैचों में यशस्वी जायसवाल के साथ गिल पारी की शुरुआत कर सकते हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाले गिल टी 20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं थे।

भारत ने इस श्रृंखला में शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा और रूतुराज गायकवाड़ के रूप में चार सलामी बल्लेबाजों को उतारा और सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। इसके साथ ही ईशान किशन भी एक तगड़े दावेदार हैं, जो टीम से बाहर चल रहे हैं। इस कॉम्पिटिशन के बारे में गिल ने कहा, यह अच्छी बात है कि सभी रन बना रहे हैं। इससे साबित होता है कि सभी में रनों की भूख है और कोई भी अपने स्थान को हलके में नहीं लेना चाहता। किसी भी देश के लिए यह अच्छी बात है।गिल ने कहा, जिसे भी मौका मिला, उसने उसका पूरा फायदा उठाया। सलामी बल्लेबाजों से गेंदबाजों तक, हरफनमौलाओं से स्पिनरों तक सभी ने अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी । चयनकर्ताओं ने देखा है और अब अगली श्रृंखला के लिये टीम चुनना उनका काम है। कप्तानी के बारे में गिल ने कहा कि उन्होंने इसका पूरा मजा लिया। उन्होंने कहा, कप्तानी के बारे में मेरा मानना है कि आप अपने खिलाड़ियों में कितना भरोसा करते हैं। मैं ऐसा करने की कोशिश करता हूं। उन्हें यह बताता हूं कि रणनीति पर अमल करने की कोशिश करें तो नतीजे मिलेंगे। पहला मैच हारने के बाद हम दबाव में थे और लगातार जीतना आसान नहीं होता लेकिन हमने ऐसा किया।

पीसीबी की अनोखी डिमांड,बीसीसीई से इस मुद्दे पर लिखित में मांगा जवाब

करांची,15 जुलाई 2024। आईसीसी 2025 चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से बेहद अनोखी डिमांड की है। दरअसल, पीसीबी ने कहा है कि बीसीसीई लिखित में दे कि भारत सरकार ने पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि बीसीसीआई इस बात का लिखित सबूत दे कि भारत सरकार ने अगले साल होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये सुरक्षा कारणों का हवाला देकर टीम इंडिया को पाकिस्तान जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में पीसीबी के एक सूत्र के हवाले से यह बात कही गई है।

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

» पैट कमिंस को नहीं मिली जगह...

» मिशेल मार्श को मिली टीम की कप्तानी...

मेलबर्न,15 जुलाई 2024। ऑस्ट्रेलिया सितंबर के महीने में स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच व्हाइट बॉल सीरीज खेलने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया 4 सितंबर से स्कॉट लैंड के खिलाफ तीन मैचों की द्विपक्षीय टी 20 सीरीज खेलने जा रहा है। वहीं दूसरी ओर वह 11 सितंबर से इंग्लैंड के खिलाफ टी 20 और वनडे सीरीज खेलने जा रहा है। जिसमें 3 टी 20 और 5 वनडे मैच शामिल हैं, जिसके लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान कर दिया गया है। इसमें सबसे ज्यादा चर्चा का विषय पैट कमिंस का टीम से बाहर होना है। इस सीरीज में मिशेल मार्श ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी करने जा रहे हैं।

टीम से बाहर पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क

सबसे बड़ी बात ये है कि इस सीरीज में वर्ल्ड कप विजेता कप्तान पैट कमिंस नहीं खेलेंगे. उन्हें आराम दिया गया है। साथ ही तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत लिया गया है। कमिंस की गैरमौजूदगी में मिचेल मार्श टीम की कप्तानी करेंगे।

जेक फेजर-मैगर्क को टीम में शामिल किया गया

युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैगर्क को टी 20 विश्व कप के लिए आरक्षित खिलाड़ी के रूप में यात्रा करने के बाद वनडे और टी 20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है.।

आराध्या बच्चन ने पपाराजी से कहा-ध्यान रखिए

बेटी संग ऐश्वर्या ही नहीं पति के साथ सोनाक्षी भी दिखीं एयरपोर्ट पर

ऐश्वर्या राय और उनकी बेटी आराध्या बच्चन पिछले दिनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के जश्न में शामिल हुईं। दोनों की ढेर सारी तस्वीरें और वीडियोज़ भी सामने आए हैं। ऐश्वर्या राय और आराध्या इन फंक्शंस के बाद अब एयरपोर्ट पर नजर आईं। हालांकि, न दोनों कैमरे के सामने रुकीं और न ही पोज़ दिया। लेकिन वे पपाराजी से कहती दिखीं कि वो ध्यान रखें अपना। इसके अलावा सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल भी एयरपोर्ट पर नजर आए हैं। एयरपोर्ट से आए इस वीडियो में ऐश्वर्या और आराध्या मुंबई एयरपोर्ट पर दिख रही हैं। दोनों ग्रे एसयूवी से बाहर निकलती हुईं और काले रंग की ड्रेस में ट्विनिंग करती दिख रही हैं। ऐश्वर्या ने बार-बार कहने के बावजूद भी पपाराज़ी के लिए पोज़ नहीं दिया। हालांकि, इस दौरान वह उनसे बी केयरफुल कहती दिख रही हैं। ऐश्वर्या एयरपोर्ट सिक्योरिटी को अपना पासपोर्ट और टिकट दिखाने से पहले पपाराजी से कहती दिख रही हैं- ध्यान रखिए।

मां की बातें दोहराती दिखीं आराध्या

दूसरे वीडियो में, जब पपराज़ी ऐश्वर्या और आराध्या के करीब

पहुंचे हैं तो आराध्या पीछे मुड़ती हैं और वही बात दोहराती हैं जो मां ने पपाराजी से कही। हालांकि, दोनों पपाराजी के बार-बार कहने पर भी साथ पोज़ देने के लिए नहीं ठहरीं और एयरपोर्ट के चली गईं।

बच्चन परिवार को लेकर इस वजह से रही चर्चा

बता दें कि अंबानी की शादी के दौरान ऐश्वर्या इसलिए भी काफी चर्चा में रहीं क्योंकि वह आराध्या के साथ अलग से इन फंक्शन में पहुंची थीं, जबकि बाकी घर वाले एकसाथ इस सेलिब्रेशन पर पहुंचे थे और उन्होंने कैमरे के सामने अलग से पोज़ भी दिया।

ब्रेस्ट कैंसर से लड़ रही हिना खान काम पर लौटीं

कीमोथेरेपी के निशान छिपाते हुए बोलीं-अच्छे दिनों का इतजार हैं...

एक्ट्रेस हिना खान इस वक्त अपने ब्रेस्ट कैंसर के कारण खबरों में छाई हुई हैं। उन्होंने अब तक अपने कीमो से लेकर मां को इस बीमारी के कारण लगे सदम तक, सबकुछ सोशल मीडिया पर फैंस को बताया है। अब उन्होंने अपने एक और लेटेस्ट पोस्ट किया है, जिसमें वह तीसरे स्टेज के कैंसर से पीड़ित होने के बाद पहले शूट पर जा रही हैं। उन्होंने लंबा-चौड़ा पोस्ट किया ह और तैयार होने के दौरान का वीडियो भी शेयर किया है।हिना खान ने जैसा कि अपने बाल छोटे कर लिए हैं। तो वह शूट के लिए अपने कीमो के निशान को छिपाने की कोशिश कर रही हैं। इतना ही नहीं, विग भी पहना है, जो साधना कट स्टाइल में है। इस वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, मेरे डायग्नोसिस के बाद मेरा पहला वर्क असाइनमेंट। जब जीवन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़े तो बातों के हिसाब से चलना और चैलेंजिंग हो जाता है। इसलिए बुरे दिनों में खुद को आराम दें। क्योंकि ऐसा करना ही सही है। आप ये डिजर्व करते हैं। हालांकि अच्छे दिनों में अपना जीवन जीना भी न भूलें। चाहे वो कितना भी कम हो। ये दिन आज

भी मायने रखते हैं। बदलाव को अपनाएं। अंतर को अपनाएं और इसे नॉर्मलाइज करें।

हिना खान कैंसर के बाद काम पर लौटी

हिना खान ने आगे लिखा, मैं अपने अच्छे दिन का इतजार कर रही हूं। क्योंकि मुझे तब वो करने को मिलेगा, जो मुझे करना अच्छा लगता है और वो है काम। मुझे अपना काम बहुत पसंद है। जब मैं काम करती हूं तो अपने सपनों को जीती हूं। और यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। मैं काम करते रहना चाहती हूं। कई लोग बिना किसी समस्या के अपने इलाज के दौरान रोजाना नौकरी करते हैं और मैं कोई अलग नहीं हूं। मैं भी इन महीनों में कुछ लोगों से मिली और मेरे यकीन मानो, उन्होंने मेरा नजरिया ही बदल दिया।

हिना खान ने लोगों को जीवन जीने का दिया नुस्खा

हिना खान ने आगे बताया, आपकी जानकारी के लिए मैं इलाज तो करा रही हूं लेकिन मैं हमेशा अस्पताल में नहीं रहती हूं। यह आपकी लाइफ है। आप तय करिए कि इसे अपको कैसे जीना है। हार न मानें और उसकी तलाश करें, जो चीजें करना आपको पसंद है। आपका काम, आपका जुनून। अगर आपको नहीं पता तो उसको इन्वेंट करें। लेकिन खुद को वो अच्छा ट्रीटमेंट दें, जिसके आप हकदार हैं। क्योंकि जो आपको पसंद है, उसे करना भी एक अच्छा ट्रीटमेंट है।

ओटीटी पर फिर आई फिल्म हसीन दिलरूबा की रिलीज डेट

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल जैसे सितारों से सजी फिर आई हसीन दिलरुबा का टीजर वीडियो सामने आया है, जिसके साथ इसकी रिलीज डेट की जानकारी भी दी गई है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर इसके टीजर के साथ ही बता दिया है कि ये फिल्म किस ओटीटी प्लैटफॉर्म पर और किस दिन रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म के टीजर में बताया गया है कि फिर आई हसीन दिलरुबा ओटीटी पर 9 अगस्त 2024 को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का लुत्फ नेटफ्लिक्स पर उठाया जा सकता है। इसका टीजर शेयर करते हुए लिखा गया है, 9 अगस्त की हसीन शाम, दिलरुबा के नाम। टीजर में तापसी का पोस्टर दिख रहा है उनकी आवाज में कहा जा रहा है, 9 अगस्त को टपकेगा खून, आएगा कातिलाना मॉनसून। वहीं विक्रांत मैसी के पोस्टर पर लिखा है, 9 अगस्त की हसीन रात, दिलरुबा के साथ। इनके अलावा सनी कौशल के पोस्टर पर लिखा गया है, 9 अगस्त को दिल

पिघलेंगे, इश्क का जहर निगलेंगे। टीजर के आखिरी में लिखा है- सबको इश्क का पाठ पढ़ाने फिर आई हसीन दिलरुबा।

बताया जा रहा है कि प्यार, धोखे और अपराध की दिल दहला देने वाली कहानी है फिर आई हसीन दिलरुबा, जो साल 2021 में कोरोना के दौरान रिलीज हुई फिल्म हसीन दिलरुबा का दूसरा पार्ट है। इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद भी किया था।हसीन दिलरुबा और मनमर्जियां की शानदार सफलता के बाद कलर येलो प्रोडक्शंस, तापसी पन्नू और लेखिका कनिका ढिल्लों की ये तिकड़ी तीसरी बार फिर आई हसीन दिलरुबा में नजर आनेवाली है। इस बार इस तिकड़ी से प्रड्यूसर भूषण कुमार भी जुड़ गए हैं।

न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी प्रतापपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

ईश्तहार

क्र./1372/2024 दिनांक-03/07/2024

विषय-:जप्त वाहन के मालिकाना हक के संबंध में ईश्तहार प्रकाशन के संबंध में।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना चंदौरा जिला सूरजपुर के अंतर्गत 02 नग दोपहिया मोटर सायकिल लावारिस हालत में मिली है। जो निम्नानुसार हैं।

क्र0	वाहन का प्रकार	वाहन क्रमॉक	इंजन नम्बर	चेचिस नम्बर
1.	प्लेटिना मोटर सायकल	-	DUMBS 1376608	-
2.	ब्जॉज कावासाकी मोटर सायकल	-	DTMBHL 09856	DFFBHL 24653

उक्त वाहन जिस किसी व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत हैं।वे संबंधित कार्यालय में 11:00 बजे आकार दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर उक्त वाहनों के मालिकाना हक से संबंधित किसी प्रकार की कोई दावा आपत्ति नहीं पायें जाने पर उक्त वाहनों की निलामी कर दी जायेगी एवं निश्चित समयावधि के पश्चात् किसी प्रकार की सुनवाई नहीं होगी। यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया हैं।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी
प्रतापपुर सूरजपुर(छ0ग0)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

क्र 283 राजस्व प्रकरण क्र./ब-121/2024 दि. 21/06/024

ईश्तहार

आवेदक /आवेदिका का नाम पवन साय, आ0स्व0 फुलसाय ,जाति उरावं निवासी ग्राम- पचिरा, प0ह0नं0 तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने मॉ विश्वासी मृत्यु/जन्म दिनांक 28/12/2022 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र पप्रस्तुत किया गया हैं। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 24/07/2024 के समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक21/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील तहसीलदार
सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्षम प्राधिकारी ,सूरजपुर , जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-कुरूवां को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रिया दुबे पति विपिन दुबे जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम कुरूवां,तहसील सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुरूवां प.ह.न.24, रा.नि.मं. केशवनगर ,तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 2212/3 रकबा 0.04 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि माध्यम से दिनांक 29/7/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्षम प्राधिकारी ,सूरजपुर , जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-कुरूवां को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विपिन दुबे आ0 श्री हरनारायण दुबे,जाति-ब्राम्हण,निवासी ग्राम कुरूवां,तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कुरूवां, प.ह.न. 24,रा.नि.म. केशवनगर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 2212/2 रकबा 0.12 हे. में से 0.04 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किए जाने का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि माध्यम से दिनांक 29/7/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)सक्षम प्राधिकारी ,सूरजपुर , जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-लटोरी को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री बृजबिहारी सिंह आ0 श्री शिवविभुति सिंह ,श्री लवकेश पाण्डेय, पवन पाण्डेय ,आ0 सिद्धनाथ पाण्डेय,निवासी ग्राम लटोरी, तहसील लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम लटोरी प.ह.न. 11, रा.नि.मं. लटोरी ,तहसील स्थित भूमि खसरा क्रमांक 636/15 रकबा 0.03 में से रकबा 0.01 एवं 636/16 रकबा 0.030 में से 0.01 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि माध्यम से दिनांक 18/7/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 03/07/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन सूरजपुर

खुला पत्र

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग के संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...के पन्द्रहवें दिन भी केंद्र सरकार से अनुमोदित विज्ञापन नियमावली के आदेश को ठेंगा दिखाने वाले जनसंपर्क विभाग के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के पीछे किसका हाथ...

क्या छापें स्वास्थ्य मंत्री जी?

क्यां छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी?

क्यूं न लिखें सच?

माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी 25 जून को संविधान हत्या दिवस छत्तीसगढ़ में नहीं मनाया जायेगा क्या?
इमरजेंसी पर बात...हर बात पर आरोप...तो छत्तीसगढ़ में एक आईपीएस के तुगलकी फरमान पर आदिवासी अंचल से विगत 20 वर्षों से प्रकाशित अखबार पर क्यों किया जा रहा है जुर्म...?
क्यों कलमबंद आंदोलन के लिए विवश होना पड़ा एक दैनिक अखबार को...?

छत्तीसगढ़ सरकार घर तोड़िए या कार्यालय तोड़िए...इंकलाब होता रहेगा इंसाफ तक...
अब तो बताईए मुख्यमंत्री जी...क्या छापें?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)